नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

PART-I

Paper Code
सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण -V

306666

नोट:- अभ्यर्थी अगले पृष्ठ पर अंकित परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण निर्देशों को पढ़कर अनिवार्यत: पालन करें।

306666

PART-II – 21.12.2022

Paper Code
V

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में लिखें - (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 0)

रोल नंबर शब्दों में लिखें ......मोनिका......Date (21.12.2022)
....

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जाए।

Roll No.

⓪	⓪	⓪	⓪	⓪	⓪
①	①	①	①	①	①
②	②	②	②	②	②
③	③	③	③	③	③
④	④	④	④	④	④
⑤	⑤	⑤	⑤	⑤	⑤
⑥	⑥	⑥	⑥	⑥	⑥
⑦	⑦	⑦	⑦	⑦	⑦
⑧	⑧	⑧	⑧	⑧	⑧
⑨	⑨	⑨	⑨	⑨	⑨

परीक्षा का माध्यम: हिन्दी
....

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें :

Monika

निम्नांकित भाग वीक्षक द्वारा ही भरा जाए।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

○

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)

Scanned with OKEN Scanner

है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

प्रश्न: (1.11)

उत्तर :

प्रश्न: (1.12)

उत्तर :

प्रश्न: (1.13)

उत्तर : गुण स्वर संधि वह है जिसमें अ/आ के बाद इ/ई व उ/ऊ आए तो स्वर ए व ओ में बदल जाता है, उदा०-

प्रश्न: (1.14)

उत्तर : "तुरा है ईमान जिसका" यह अव्ययीभाव समास है।

प्रश्न: (1.15)

उत्तर : द्वन्द्व समास में दोनों पद प्रधान होते हैं। इसके तीन भेद होते हैं, इतरेतर द्वन्द्व समास, विकल्पिक द्वन्द्व समास, समाहार द्वन्द्व समास।

Scanned with OKEN Scanner

1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना
भी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

(1.16)

पू./M = 03 प्राप्तांक

:

(1.17)

पू./M = 03 प्राप्तांक

र: पुरुष वाचक सर्वनाम के तीन प्रकार है,
उत्तम पुरुष सर्वनाम, मध्यम पुरुष सर्वनाम,
अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम।

: (1.18)

पू./M = 03 प्राप्तांक

र: प्रविशेषण वह है, जो विशेषण के विशेषता बतलाते
है, उदा० वह अत्यधिक सुन्दर है। प्रविशेषण
विशेषण के पहले आते हैं
प्रविशेषण विशेषण

न: (1.19)

पू./M = 03 प्राप्तांक

त्तर :

श्न: (1.20)

पू./M = 03 प्राप्तांक

त्तर : इसे दो प्रकार से संक्षेपित किया गया है
समास से एवं सन्धि से। समास – कार्य के
लिये आलय। सन्धि – कार्य + आलय = कार्यालय।

SAMPLE

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर आवश्यकतानुसार अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है। 25x03=75

प्रश्न: (1.21) पू/M=03

उत्तर : लाघव चिन्ह संक्षेपण के लिये उपयोग किया जाता है। चिन्ह → (o)
उदाहरण- डॉक्टर का संक्षेपण - डॉ०

प्रश्न: (1.22) पू/M=03

उत्तर :

प्रश्न: (1.23) पू/M=03

उत्तर :

प्रश्न: (1.24) पू/M=03

उत्तर : करण कारक में "से" के प्रयास करिक होते हैं, पर अपादान में 'मे' 'पर' कारक होते है।

प्रश्न: (1.25) पू/M=03

उत्तर : लोकोक्ति स्वतन्त्र रूप से प्रयोग होती है पर मुहावरा वाक्य में प्रसंग की तरह उपयोग होता है। लोकोक्ति मुहावरे के मुकाबले छोटी होती है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न: 2. प्रश्न अलंकारों से सबंधित है : 02x05=10

प्रश्न: 2.1 शब्दालंकार :-

पू./M = 05

प्राप्तांक

प्रश्न: 2.1 (1)

उत्तर : श्लेष अलंकार के दो भेद है अभंगपद अलंकार एवं सभंगपद अलंकार।

प्रश्न: 2.1.(2)

उत्तर : इसमें अन्त्यानुप्रास अलंकार है, जो कि अनुप्रास का ही अंग है

प्रश्न: 2.1 (3)

उत्तर : घटा का अर्थ बादल की घटा और घटा का मतलब है कम हुआ।

प्रश्न: 2.1(4)

उत्तर : छेकानुप्रास अलंकार

प्रश्न: 2.1(5)

उत्तर : उपमा अलंकार छेकानुप्रास अलंकार

Scanned with OKEN Scanner

02x05=10

प्रश्न: 2. प्रश्न अलंकारों से संबंधित है :

प्रश्न: 2.2 अर्थालंकार :-

पू./M = 05

प्राप्तांक

प्रश्न: 2.2 (1)

उत्तर : ~~छेकानुप्रास~~ एवं उपमा अर्थालंकार है।

प्रश्न: 2.2.(2)

उत्तर : हेतु उत्प्रेक्षा अलंकार।

प्रश्न: 2.2 (3)

उत्तर : जिसकी तुलना की जाती है, उसे उपमेय कहते है।

प्रश्न: 2.2 (4)

उत्तर : उपमा अलंकार के तीन चार भेद होते है - उपमान उपमेय (जिसकी तुलना की जाए), साधारण धर्म व वाचक शब्द।

प्रश्न: 2.2 (5)

उत्तर : 'सुन्दर' एक साधारण धर्म है, जो उपमा अलंकार का अंग है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न: 3 वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्रश्न: 3.1. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

05x04=20

प्रश्न: 3.1 (1)

पू./M = 04

प्राप्तांक

उत्तर : हमारी संस्कृति का हमें सम्मान स्वीकृत करना चाहिए।

प्रश्न: 3.1 (2)

पू./M = 04

प्राप्तांक

उत्तर : हर क्रिया में एक परिणाम होता है, और व्यक्ति तदनुसार प्रतिक्रिया करता है।

प्रश्न: 3.1 (3)

पू./M = 04

प्राप्तांक

उत्तर : समाज के कार्यों में आपका एक बहुत अच्छा है।

प्रश्न: 3.1 (4)

पू./M = 04

प्राप्तांक

उत्तर : आदमी का सबसे बड़ा धन सीखना और ज्ञान है।

प्रश्न: 3.1 (5)

पू./M = 04

प्राप्तांक

उत्तर : मैंने नयी प्रचलित तकनीक पर एक निबन्ध लिखा है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न: 3 वाक्यों का हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्रश्न: 3.2. निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

05x03=15

प्रश्न: 3.2 (1) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : poem keep ~~reason~~ pure heart of human.

प्रश्न: 3.2 (2) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : there is possibility to find way, while there is less sources there are limited source.

प्रश्न: 3.2 (3) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : Is science blind without religion?

प्रश्न: 3.2 (4) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : Is morning exercise ~~is~~ mandatory to our health?

प्रश्न: 3.2 (5) पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : Is digital ~~inclusion of digital revolution~~ development? ~~not fit to development~~

Is inclusion of digital revolution regarding development not fit?

SAMPLE

Scanned with OKEN Scanner

4. इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम चिन्ह इत्यादि) प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न
र्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। 10x02=20

(4.1)

उत्तर : प्रत्युत्पन्नमति - यह एक यण स्वर सन्धि है।

पू/M = 02 प्राप्तांक

(4.2)

उत्तर : अम् + मय , व्यंजन संधि है।

पू/M = 02 प्राप्तांक

प्रश्न: (4.3)

उत्तर : प्रणौजणा यह एक ~~अयादि संधि~~ एवं वृद्धि स्वर सन्धि है।

पू/M = 02 प्राप्तांक

प्रश्न: (4.4)

उत्तर : म ~~क्षि~~ न गिरा

पू/M = 02 प्राप्तांक

प्रश्न: (4.5)

उत्तर : बहुब्रीही समास।

पू/M = 02 प्राप्तांक

SAMPLE

प्रश्न: 4. इस प्रश्न में हिन्दी व्याकरण से संबंधित (संधि, समास, विराम चिन्ह इत्यादि) प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। 10x02=20

प्रश्न: (4.6) पू./M = 02

उत्तर : अनाथ , अज्ञान

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.7) पू./M = 02

उत्तर : योजक समास

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.8) Question not printed in paper. only 9 ques. are given पू./M = 02

उत्तर : Ques.

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.9) पू./M = 02

उत्तर : योजक चिह्न दो प्रधान शब्दों के बीच प्रयोग किया जाता है जैसे माता - पिता इसमें (-) यह योजक है।

प्राप्तांक

प्रश्न: (4.10) पू./M = 02

उत्तर : योजक चिह्न (-),
लाघव चिह्न - (o)
हंस पद चिह्न (^), (^)

प्राप्तांक

SAMPLE

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नः 5. इस प्रश्न में प्रारंभिक व्याकरण, शब्दावलियाँ एवं अन्य बिन्दुओं जो पाठ्क्रम में दिए गए है, से संबंधित प्रश्न होंगे। निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का है। 10x02=20

S.no.	प्रश्न	उत्तर
1		तीव्रबुद्धि
2		
3		
4		
5	(1) उत्तम	(1) निम्न
6	INDISPENSIBLE	जरूरी, जिसके बिना काम न बने
7		~~Remoble~~ Removable
8		
9	(1) निमन्त्रण (2) पाती	(1) न्यौता (2)
10	अर्थ	ज्ञान, उत्तर, विश्लेषण

SAMPLE

प्रश्न : 6. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अभ्यर्थी जिस गद्यांश का उत्तर लिख रहें हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में करें। 05x04=20

उत्तर :

उत्तरित गद्यांश का क्रमांक अनिवार्यतः अंकित करें:- 01

(i) सांस्कृतिक भाव।

उत्तर : (ii) जनता के साहित्य का अर्थ तुरन्त समझ में आने वाले साहित्य से नहीं है, इसके सांस्कृतिक भाव है।

उत्तर : (iii) साहित्य का उद्देश्य सांस्कृतिक परिष्कार है। इसके साथ मानसिक परिष्कार है।

उत्तर : (iv) सांस्कृति क भावों को ग्रहण करने के लिये पुलन्दो दारी की ~~उप~~ जरूरी है।

उत्तर : (v) ~~साहित्य एवं संस्कृति~~
साहित्य की महत्वता।

प्रश्न: 7. रेखांकित अथवा दी गई पंक्तियों का पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए: अभ्यर्थी जिस प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें। प्रश्न 10 (दस) अंकों का है। 01x10=10

उत्तर : 7

उत्तरित पल्लवन का क्रमांक अनिवार्यतः अंकित करें :- 01

विपत्तियाँ मनुष्य के जीवन का अहम हिस्सा है बिना इसके मनुष्य शायद इतना आधुनिक न हो पाता। हर मनुष्य के जीवन में विपत्ति होती है, और वह उसके अनुसार खुद को ढालने की कोशिश करता है, और उससे निपटने के लिए नये मार्ग ढूँढता है। जब मनुष्य को कोई काम कठिन लगता है, तब वह नये मार्ग ढूंढता है, और आविष्कार को जन्म देता है। जिससे स्थितियों को वह अपने अनुकूल कर सके। ऐसा करते करते वह वक्त के साथ और बलवान होता जा रहा है। अगर सब को अपना उचित आवरण मिलता है तो वह कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता है। पुराने समय में जब मनुष्य को शिकार करने में तकलीफ हुई तो उसने कुल्हाड़ी, धनुष जैसे हथियारों को जन्म दिया। जब रहने में विपत्ति हुई तो गुफाओं को घर बनाया। उसके साथ -साथ मौसम के अनुसार कपड़े पहनने का ढंग भी सीखा। जंगली जानवरों से बचने के लिए और हथियारों को जन्म दिया। विपत्तियाँ आती रहेंगी, मनुष्य नये तरीके खोजता रहेगा। उदाहरण आज जलवायु परिवर्तन की वजह से कृषि, भूमि खतरे में है। पर मनुष्य अपनी खोज में व्यस्थ हो चुका है, कि कैसे इस जलवायु परिवर्तन से निपटा जाए।

प्रश्न: 8. किसी एक गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए: अभ्यर्थी जिस गद्यांश का संक्षेपण कर रहें हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यत: करें। प्रश्न 10 (दस) अंकों का है।

उत्तर : 8

उत्तरित गद्यांश का क्रमांक अनिवार्यत: अंकित करें:-	1

पुस्तकालय साहित्योन्नति, साहित्य रक्षा व भारत के गौरवमयी अतीत का गवाह है। पहले पुस्तकालय, देवालय विद्यालय, नृपालय संग्रहण के स्थान होते थे। प्राचीन भारत से मुगल सम्राटों तक भारत के पुस्तकालय संसार में अपनी सानी नही रखते थे, क्योंकि मुद्रण आविष्कार के पूर्व पुस्तक संग्रहण कठिन था। विदेशों से विद्यानुरागी यात्राएँ करके आते थे।

SAMPLE